महिला श्रम सेवा न्यास

वार्षिक प्रतिवेदन

अप्रैल 2018 से मार्च 2019

96, बी–वैशाली नगर, अन्नपूर्णा रोड़, इन्दौर
फोन–0731–2483150
Email: mssn.madhyapradesh@gmail.com

विषय – सूची

क्र.	विषय	पेज न.
1	जागरूकता शिविर	3
2	विभिन्न मण्ड़लों मे पंजीयन	4
3	राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियमए 2013 से लाभ दिलवाना	5
4	रोजगार के अवसर बढाना	6
5	प्रा. लघुवनोउपज सहकारी समिति	7
6	शहरी क्षेत्र में रोजगार दिलवाया	8
7	बेसलाईन अध्ययन एवं कौशल विकास प्रशिक्षण	9
8	वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम एंव परिसॅम्पत्ती का निर्माण	10
9	नेतृत्व विकास द्वारा सामुदायिक सरचना को मजबुत करना	11
10	आगेवान मिलन समारोह	11–12
11	बैठक एवं प्रशिक्षण	13
12	सूचना केंद्र एवं ग्राम समिति द्वारा किये गये गये काय	13–14
13	ग्राम सभा में प्रस्ताव प्रारित करवानाए नई ग्राम समितियों का गठन एवं ग्रेडिंग प्रणाली	14–15
14	जन सुनवाई में भागीदारी एंव बुनियादी सुविधाएँ	16
15	सामाजिक सुरक्षा की योजनाओ से जोड़ना	17
16	ग्राम विकास एवं माईक्रों प्लानिंग	17–20
17	ट्रेनिंग और प्लानिंग वर्कशॉप	20
18	जागरूकता सामग्री एंव गतिविधियों के परिणाम	21–22
19	लक्ष्य एवं उपलब्धियॉ व अन्य बैठक, प्रशिक्षण एवं कार्यशाला में भागीदारी	23
20	विभिन्न फोरम में भागीदारी एवं केस स्टडी	24–25

1. हमारे लक्ष्य

जागरूकता शिविरः

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 10 जिलों में इन्दौर (महू), देवास, उज्जैन, सागर, भोपाल, छतरपुर, खण्डवा, मन्दसौर, धार और बडवानी में जागरूकता शिविर केम्प का आयोजन किया जिसमें खाद्य सुरक्षा कानून, मनरेगा, तेंदूपत्ता संग्रहण, वित्तीय साक्षरता, शासकीय कल्याणपकारी योजनाओं की जानकारी एवं सामाजिक सुरक्षा की योजनाओ को लेकर जागरूकता मिटींग एवं शिविर किये गये।

क्र0	जिला	केम्प की संख्या	प्रतिभागियो की संख्या
1	इन्दौर	30	1050
2	खण्डवा	18	630
3	सागर	14	496
4	भोपाल	19	665
5	देवास	14	490
6	उज्जैन	26	910
7	छतरपुर	15	540
8	मन्दसौर	10	320
9	धार	20	2900
10	बडवानी	20	3020
	कुल	**186**	**11021**

इस वर्ष 186 जागरूकता केम्प 10 जिलों में आयोजित किये जिसमें 11021 श्रमिकों सदस्यों ने भाग लिया।

विभिन्न मण्डलो में पंजीयनः

इस वर्ष असंगठित ग्रामीण/शहरी, बीड़ी, निर्माण कल्याण मण्डलों में बहनों का पंजीयन करवाया गया।

क्र0	विवरण	संख्या
1	नया पंजीयन	19850
2	परिचय पत्र नवीनीकरण	14638
	कुल	**34488**

इस वर्ष कुल 34488 सदस्यों का नया पंजीयन और नवीनीकरण करवाया गया।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा से लाभ दिलवानाः

सूचना केंद संचालिका, ग्राम समिति सदस्यों ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत् अन्नपुर्णा योजना में खाद्य पर्ची बनवाई, खाद्य पर्ची को आधार कार्ड से लिंक करवाया, राशन की दुकान पर राशन की गुणवत्ता की जॉच की, समय पर राशन की दुकान खुले इसकी देखरेख की ताकि समुदाय को सही समय पर अच्छी गुणवत्ता का राशन मिल सके। इसके लिये खाद्य विभाग के अधिकारी व नोडल अधिकारी से समन्वय किया गया।

इसके परिणामस्वरूप निम्न लाभ मिले जो निम्नानुसार है–

क्र0	जिला	खाद्य पर्ची बनवाई	आधार से जोड़ना
1	इन्दौर	1820	4621
2	धार	271	1424
3	देवास	846	1320
4	सागर	1422	1822
5	उज्जैन	1024	1419
6	छतरपुर	98	324
7	खण्डवा	1324	2016
8	मन्दसौर	145	2854
9	बडवानी	84	1456
	कुल	**7034**	**17256**

इस वर्ष 7034 परिवारो की खाद्य पर्ची बनवाई 17256 समुदाय की खाद्य पर्ची को आधार कार्ड से जोड़ा गया ।

रोजगार के अवसर बढ़ानाः

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में समुदाय के रोजगार के अवसर बढ़ाने हेतू कार्य किये गये। जिसमे ग्राम में मनरेगा, प्राथमिक लघुवनोउपज सहकारी समिति, शहरो में प्रायवेट कारखाने एवं साख सस्थाओं से ऋण उपलब्ध करवाकर रोजगार में वृद्धि की गई। अकुशल श्रमिकों को कौशल विकास के कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

मनरेगा :– मनरेगा के माध्यम से 7 जिलों में रोजगार दिलवाया गया । निगरानी समिति, सूचना केंद्र संचालिका एवं कार्यकर्ता द्वारा मनरेगा के आवेदन करना, समय पर मजदुरी का वितरण करवाना, मशीनों द्वारा काम न होने देना इस पर सतत् कार्य व निगरानी की जाती है इसके सम्बन्ध में लगातार ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत जिला पंचायत समन्वय किया जाता है। ग्रामसभा के पूर्व माईक्रोप्लानिंग करके ग्रामसभा में प्रस्ताव तैयार कर मनरेगा के कार्य के बजट पर विशेष ध्यान दिया गया।

क्र0	जिला	लाभांवित	राशि
1	सागर	3215	15,91,4250
2	देवास	3343	16,79,5350
3	धार	3437	15,57,2700
4	इन्दौर	4021	19,90,3750
5	छतरपुर	622	10,62,600
6	मन्दसौर	120	313200
7	बडवानी	40	55680
	कुल	**14798**	**249617530**

इस वर्ष 7 जिलों में 14 हजार 7 सौ 98 परिवारों को रोजगार दिलवाया जिसमें 24 करोड़ 96 लाख 17 हजार 5 सौ 30 का लाभ दिलवाया गया।

प्रा. लघुवनोउपज सहकारी समितिः

तेंदूपत्ता पकने से पहले शाख कतरन का कार्य विशेष ध्यान देकर म.प्र. लघुवनोपज संघ, प्राथमिक सहकारी समितियों में पत्र व्यवहार, बातचीत करके शाख कतरन का कार्य स्थानीय ग्रामीण द्वारा दिलवाया गया। शाख कतरन का कार्य समाप्त होने पर राशि का वितरण के समय ग्राम समिति के सदस्य, सूचना केंद्र संचालिका द्वारा देखरेख की गई।

क्र0	जिला	समिति	लाभांवित नम्बर	राशि
1	इन्दौर	3	1016	16,73600
2	सागर	5	413	660800
3	धार	3	628	1004800
4	देवास	10	676	1081600
5	खण्डवा	3	288	460800
6	उज्जैन	1	69	82800
कुल		**25**	**3120**	**4964400**

25 प्राथमिक समिति में 3120 ग्रामीणो को रोजगार दिलवाया जिसमें 49 लाख 64 हजार 400 रूपये मात्र की राशि मिली।

शहरी क्षेत्र में रोजगार दिलवायाः

शहरो में वर्ष भर रोजगार नही मिलता है कई बार अकुशल श्रमिक होने के कारण कमाई कम होती है। बारिश के समय लगातार काम नही मिला। जी. एस.टी. के कारण भी समुदाय को काम करने हेतू कच्चा माल पर्याप्त नही मिला।

प्रायवेट मालिको से सम्पर्क करके काम दिलवाया गया जो निम्नानुसार है।

क्र0	रोजगार का नाम	लाभंवित सदस्य	राशि
1	सिलाई कार्य	215	4,30,000
2	ड्रायफूट	172	2,58,000
3	चौकीदारी	8	16,000
4	मसाला पैकिंग	46	69,000
5	राखि बनाना	222	4,44,000
6	सजावटी सामान बनाना	303	5,45,400
7	दोना पत्तल बनाना	356	7,12,000
8	ब्युटी पार्लर	43	1,07500
9	चुड़ीबनाना	38	57,000
10	मिठाई पेकिंग	152	3,04000
11	पूजा सामग्री पेकिंग	226	3,39,000
12	हास्पीटल में कार्य	9	2,7000
13	खिलौने पेकिंग	143	2,28,800
14	मिठाई (लड्डू बनाना)	82	1,23,000
कुल		**2015**	**3,66,0700**

2015 श्रमिको को अन्य रोजगार से जोड़ा जिसमें 36 लाख 60 हजार 700 सौ रूपये की आमदानी हुई।

बेसलाईन अध्ययनः

जिला मन्दसौर में महिला उद्यमियों के (व्यवसाय) और कार्यात्मक साक्षरता के वर्तमान स्तर के ज्ञान को समझने के लिए बेसलाईन अध्ययन किया गया जिसमें कुल 5 गांवों से कुल 50 सर्वे फार्म भरे गए और बेसलाईन अध्ययन की रिपोर्ट के आधार पर 5 गावों में 5 महिला उद्यमियों के समूह तैयार किये गये।

कौशल विकास प्रशिक्षणः

अकुशल श्रमिक बहनो के कौशल विकास प्रशिक्षण नगर–निगम, आई.टी.आई विभाग, जन शिक्षण संस्थान, सेडमेप आदि सरकारी संस्था, प्रायवेट संस्थाओं के माध्यम से करवाये गये। जिसमें 647 बहनों को फायदा मिला उनकी 25 से 50 प्रतिशत आमदानी में वृद्धि हुई।

क्र0	प्रशिक्षण	संस्थान	प्रशिक्षण संख्या	लाभांवित सदस्यो
1	घरेलु कामगार	नगर–निगम	35	525
2	ब्युटी पार्लर	नगर–निगम व प्रायवेट संस्थान	7	70
3	सिलाई कार्य	सेडमेप संस्था, जन शिक्षण संस्था, प्रायवेट संस्थान	1	10
4	सजावटी सामान	प्रायवेट कारखाना मालीक	2	30
5	पशुपालन	शासकीय पशु चिकीत्सालय	1	30
कुल			**46**	**665**

वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रमः

इस वर्ष जिला मन्दसौर, बडवानी व धार में वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें जिला मन्दसौर से 50 धार और बडवानी जिले से 53947 सदस्यों का वित्तीय साक्षरता का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के माध्यम से सदस्यों को आमदनी, खर्च, बचत, बीमा, पेंशन, बजट बैंक के खातों के प्रकार व इनका इस्तेमाल, एटीएम चलाना सिखाने के साथ ही डिजिटल पेमेंट करना सिखाया गया।

परिसम्पत्ती का निर्माणः

ग्रामीण क्षेत्रो में मनरेगा के माध्यम से परिसम्पत्ती निर्माण ग्राम समिति के माध्यम से ग्राम सभा में प्रस्ताव रख कर करवाया गया। जिससे ग्रामिणो की कृषी कार्य में सुविधा मिली व उनकी उपज बड़ी क्योंकि गांवो में पानी के स्त्रोत उपलब्ध हो गये।

क्र0	कार्य	संख्या	राशि
1	कपिलधारा कुआँ	26	1560000
2	तालाब गहरीकरण	6	1472000
3	नया तालाब	2	500000
4	सामुदायिक भवन	4	500000
5	आंगनवाड़ी भवन रिपेयर	9	67500
6	स्कूल रिपेयर	24	20000
7	खेत तलाब	1449	21735000
	कुल	**1520**	**2,58,54,500**

नेतृत्व विकास द्वारा सामुदायिक सरचना को मजबुत करनाः

संस्थान द्वारा सदस्यों की समस्याओ को सुलझाने हेतु जमीनी स्तर पर सामुदायिक संरचना का गठन 3 वर्ष पूर्ण किया गया जिसमें ग्राम समितिया बनाई गई एवं सूचना केंद्र स्थापित किये गये।

ग्राम समिति सदस्यो एवं सूचना केंद्र संचालिका बहनों की नेतृत्व क्षमता बड़ाने हेतु विभिन्न गतिविधिया आयोजित की गई जिसमें आगेवान मिलन समारोह नियमित बैठके, शाला प्रशिक्षण, व्यवहारिक प्रशिक्षण ,ग्रेडिंग प्रणाली आदि है।

इसके साथ ही जिला धार और बडवानी में 100 डिजिटल सखी बहनों को नेतृत्व विकास प्रशिक्षण दिया गया ताकि इन डिजिटल सखी बहनों मन से डर को निकाला जा सकें व आत्मविश्वास के साथ ग्रामीण क्षेत्र में अपने काम को और बेहतर तरीके से कर सकें।

आगेवान मिलन समारोहः

उज्जैन, देवास, सागर, खण्डवा, इन्दौर, धार, में आगेवान मिलन समारोह का आयोजन किया गया ये सभी जिला स्तर पर किया गया जिसमें सभी जिलों से 100 से अधिक सूचना केंद्र संचालिका, आगेवान बहनें, ग्राम समिति के सदस्यो ने भाग लिया। मिलन समारोह का मुख्य उद्देश्य यह है कि किस तरह ग्रामीण क्षेत्र में निगरानी समितिया पंचायत एवं जिला स्तर पर कार्य कर रही है एवं ग्राम समितियो का गठन, संघर्ष, सफलता एवं वर्तमान में किस समस्या से जुझ रहे है। इसी तरह शहरो में किस तरह सूचना केंद्र संचालित कार्य कर रही है। शहरो में कार्य के अनुभव संघर्ष एवं सफलता को हम एक दुसरे से सांझा कर सके एवं क्षेत्र में किस तरह से कार्य को करते है। इसकी प्रक्रिया जानने को मिली। सभी सदस्यो का जिलानुसार परिचय हुआ परिचय के पश्चात् सभी जिलों से आये सदस्यो ने अपनी बात को एक दुसरे से सांझा किया गया।

जिसमें निम्न बिंदु हैः–

- पहले पंचायत स्तर पर ही अपनी समस्या को लेकर जाते थे अब जिला पंचायत तक समस्या लेकर जाते है।
- बुनियादी सुविधा को लेकर आवेदन भर कर लाभ दिलवाया जैसे– शौचालय निर्माण, कपिल धारा कुआ, प्रधानमंत्री आवास नल, सड़क, बिजली बिल कम करवाना आदि।
- पंचायत की माईक्रोप्लानिंग कर ग्रामसभा में प्रस्ताव डलवाये।
- अधिकारियो से कैसे बात करना उसका प्रेक्टीकल प्रशिक्षण हुआ।
- ग्राम समिति के गठन के पश्चात् ग्राम समिति का प्रशिक्षण हुआ।
- विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मिली एवं इनसे मिलने वाले लाभ की जानकारी मिली।
- विभिन्न प्रकार के पंजीयन की जानकारी मिली।
- विभिन्न प्रकार के परिचय पत्र बनवाये।
- घुंघट निकालना कम किया।
- मनरेगा में मशीनो द्वारा काम किया जाता उसको रूकवाया एवं मनरेगा में समय पर मजदूरी का भुगतान करवाया। हॉट बाजारो में आकर मिटींग करते है।

सभी सुचना केंद्र संचालिका आगेवान बहनें, निगरानी समिति के सदस्यो को छोटे समुह में बाँटकर समूह कार्य करवाया गया। समारोह में सभी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जिसमें सभी ने नृत्य व गाने, कविता की प्रस्तुति दी। मिलन समारोह में जिला के स्थानिय शासकीय अधिकारी भी उपस्थित हुये जैसे– श्रम आयुक्त, श्रमपदाधिकारी, नोडल अधिकारी, पार्षद, सरपंच मंत्री उपस्थित हुये। सदस्यो द्वारा अपनी समस्या को भी अधिकारी के समक्ष रखा जैसे–

- निर्माण श्रमिक पंजीयन प्रक्रिया में काफी विलम्ब होता है।
- असंगठित कल्याण मण्डल में पंजीयन का ना हो
- जी एस टी के कारण रोजगार के अवसर कम हो गये।
- बुनियादी सुविधा क्षेत्रो में नही है।
- आयुष्मान भारत योजना के पंजीयन का ना होना।

सभी समस्याओ को अधिकारी ने ध्यानपूर्वक सुनकर कहा आंचार संहिता होने के कारण सभी कार्यो में विलम्ब हो रहा था। परन्तु पुनः सारे कार्य शुरू होंगे। अतिथियो को धन्यवाद् देकर आगेवान मिलन समारोह समापन किया गया।

बैठक एवं प्रशिक्षणः

सूचना केंद्र संचालिका बहनों की प्रतिमाह जिले कार्यालय में बैठक की गई। जिसमें बहनों ने अपने कार्य की रिपोर्ट दी सदस्यो की समस्याये जो वे सुलझा नही पाई बताया कार्यकर्ता बहनों ने उनकी समस्याओं के समाधान हेतु मार्गदर्शन दिये व उनको अपने साथ ले जाकर समस्या सुलझाने का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया प्रत्येक ग्राम समिति के सदस्य माह में एक बार गांव में बैठक करती है। जिसमें वे अपने कार्य की रिपोर्ट बताते है गांवो में चल रही समस्याओं पर चर्चा करते है। कार्यकर्ताओं द्वारा समस्या के समाधान हेतु मार्गदर्शन दिया जाता है एवं जनपद पंचयत ब्लॉक जिले में साथ ले जाकर समस्याओं को कैसे सुलझाया व्यवहारिक तौर पर सिखाया गया।

सूचना केंद्र द्वारा किये गये गये कार्यः

क्र0	योजना	लाभंवित सदस्य
1	खाद्य पर्ची	950
2	आधार कार्ड लिंक	2517
3	पेंशन	514
4	बुनियादी सुविधा	3852
5	आयुष्मान कार्ड	1789
6	आधार कार्ड	502
7	परिवार आय डी	457
8	आंनवाड़ी से सुविधा	2845
9	शौचालय निर्माण	1504
10	सामाजिक सुरक्षा से लाभ	2768
11	विभिन्न सर्टीफिकेट (जाती, आय, मुलनिवासी)	304
	कुल	**18002**

ग्राम समिति द्वारा किये गये कार्यः

क्र0	योजना	लाभंवित सदस्य
1	शौचालय	456
2	सी.सी. रोड़	12
3	प्रधानमंत्री आवास	88

4	उज्जवला गैंस	256
5	पौधारोपण	4222
6	कुटीर आवास	48
7	कपिलधारा कुंआ	08
8	हेडपम्प रिपेयर	10
9	मनरेगा में कार्य	644
10	परिवार आ.डी.	456
11	सामाजिक सुरक्षा	1322
12	बुनियादी सुविधा 525	548
	कुल	**8070**

ग्राम सभा में प्रस्ताव प्रारित करवानाः

ग्राम सभा ग्राम समितियो के सदस्य व कार्यकर्ता लगातार गामीणों कों ग्राम सभा में भागीदारी करने हेतु प्रोत्साहित करते है। ताकि वे अपनी समस्याये उसमें रखकर चर्चा करे, ग्राम विकास मनरेगा का प्रस्ताव व बजट पर चर्चा करे उसको पास करवाये इस वर्ष ग्राम समिति सदस्यो, व कार्यकर्ताओं द्वारा, चार ग्राम सभा में भागीदारी की गई उसके पश्चात्, जनपद, ब्लॉक, जिला पंचायत पर बजट की स्वीकृति को लेकर लगातार फॉलोअप किया व स्वीकृत करवाया।

➢ विभिन्न कल्याण मण्डलों में पंजीयनः

क्र0	किया गया कार्य	संख्या
1	नया पंजीयन	19650
2	परिचय पत्र नवीनीकरण	14836
	कुल	**34486**

➢ इस वर्ष 10 नई ग्राम समिति का गठन किया गयाः

क्र0	जिला	पंचायत
1	देवास	चिल्की,
		हाथी गुराड़िया
		खेड़ा खाल

2	इन्दौर	कांकरीया
		बशी
		मांगलीया
3	धार	आमला भेरू
		भुति बावड़ी
4	छतरपुर	दोनी
		बिलहरी
	कुल	**10**

ग्रेडिंग प्रणालीः सूचना केंद्र एवं ग्राम समिति के कार्यो को लेकर संस्थान ने ग्रेडिंग प्रणाली विकसीत की है जिसमें एक प्रश्नावली तैयार की गई है। जिसके आधार पर 6 माह में ग्रेडिंग की जाती है। इस वर्ष ग्राम समिति एवं सूचना केंद्र निम्न ग्रेड में है।

- **ग्राम समिति ग्रेडिंगः**

क्र0	ग्रेडस	ग्राम समिति
1	A	2
2	B	12
3	C	6
	कुल	**20**

- **सूचना केंद्र ग्रेडिंगः**

क्र0	ग्रेडिंग	सूचना केंद्र सदस्य
1	A	09
2	B	17
3	C	14
	कुल	**40**

जन सुनवाई में भागीदारीः

समुदाय की विभिन्न समस्याओं के समाधान के म.प्र. सरकार की और से प्रत्येक मंगलवार को विभिन्न विभागों में जन सुनवाई होती है। जिसमें करर्यकर्ता, ग्राम समिति, सूचना केंद्र संचालिका द्वारा लिखित में समस्याओं का पत्र तैयार कर बहनों को साथ में ले जाकर समस्याओं का समाधान करवाया गया। इस वर्ष 104 जन सुनवाई में भागीदारी दी गई जिसमें 544 बहनों ने भाग लिया। 88 समस्याओं का समाधान हो चुका है। शेष प्रक्रिया में है।

बुनियादी सुविधाएः

हमारा लक्षीत समुह शहर की तंग बस्तियों व दुर दराज गांव में रहते है। इनके रहवासी क्षेत्रो में पिने के पानी की कमी, गंदगी, कच्चे रास्ते, अंधेरे से ग्रसित रहते है जिसके कारण बिमारीया फेलती है। इनके रोजगार पर भी असर पड़ता है। इसलिये संस्था द्वारा सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से इनके रहवासी क्षेत्रो में बुनियादी सुविधा उपलब्ध करवाने के प्रयास किये गये। सूचना केंद्र संचालिका, ग्राम समिति के सदस्यो के सहयोग से निम्न बुनियादी सुविधाये रहवासी क्षेत्रो में उपलब्ध करवाई गई जो निम्नानूसार हैः

क्र0	योंजना	लाभंवित संख्या
1	प्रधानमंत्री आवास योजना	322
2	शौचालय निर्माण	4132
3	कुटीर आवास योजना	618
4	बिजली सुविधा	344
5	हेंडपम्प बनवाना, एवं ठीक करना	82
6	रोड़ रिपेरिंग	8
	कुल	**5506**

सामाजिक सुरक्षा की योजनाओ से जोड़नाः

10 कार्यरत जिले के शहर एवं गांव में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा की योजनाए जो कल्याण मण्डल, नगर–निगम /ग्राम पंचायत के माध्यम से संचालित की जाती है उससे समुदाय को लाभ दिलवाने में सहायता की गई।

- **विभिन्न कल्याण मण्डल, नगर–निगम/ग्राम पंचायत से सामाजिक सुरक्षा का लाभ**

क्र0	गतिविधि	लाभांवित सदस्य	राशि
1	कल्याण मण्डल की योजनाएं	2022	2437143261
2	नगर–निगम एवं ग्राम पंचायत से लाभ	18823	27335500
	कुल	**20845**	**2464478761**

ग्राम विकासः

6 नई ग्राम पंचायतों में ग्राम विकास के लिये ग्राम समिति एवं कार्यकर्ताओं ने सरपंच एवं सचिव के साथ मिलकर माईक्रो प्लानिंग की गई। जिसमें ग्राम सभा में प्रस्तावित करने हेतू प्रस्ताव तैयार किये गये एवं पुरानी 5 पंचायतो में प्रस्ताप का फॉलोअप किया गया।

पंचायत सूची निम्नानुसार हैः

क्र0	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	गांव का नाम	परिवार की संख्या	ग्राम समिति के नाम	सूचना केंद्र का नाम एवं साप्ताहिक खुलने का दिन
1	देवास	बागली	गुराड़िया	गुराड़िया	2450	संगीता चौहान निर्मला गोकुल उर्मिला हेमराज कौशल्या जसवंत शारदा भारती अरूणा विरेंद्र प्रिति गणेश मीना रूपसिंग राजू वासुदेव सावित्री कैलाश	रजनी पचौरिया दिन मंगलवार
		बागली	चापड़ा	चापड़ा	3024	कुंता गंगाराम	

						सीमा लालू सीता बद्रीलाल गुलाब राजाराम शारदा पूरण ममता कमल सावित्री नरेंद्र पारू नारायण राजू गेंदालाल दुर्गा विजय शर्मा	
2	इन्दौर	महू	राजपुरा कुटी	राजपुरा कुटी	6021	काली छोटेलाल चंदा हजारी अजोध्या भगवान मिनाक्षी मुगल सूरज रायसिंग मनी घनश्याम मोनु हजारी शुभ वर्मा मुकेश बामनिया योगेश सेवाराम	चंदा आदिवासी दिन मंगलवार
3	धार	धार	मवड़ीपुरा	मवड़ीपुरा	4026	रेखा ठाकुर भुरी रामसिंग लक्ष्मी अनिल सूमन किशोर रैला इंदरसिंग मलका गोविंद अजमा बुधिया ठाकुर सिंग किशोर सिंग रामसिंग	रेखा ठाकुर दिन रविवार
4	छतर पुर	नौगांव	नौगांव	बिलहरी		सूमन प्रजापति अर्चना यादव किरन रैकवार शौभा पाल नीतू यादव उर्मिला यादव दशरथ प्रजापति कमलेश पाल कलावती पाल	सूमन प्रजापति दिन शुक्रवार

						दिव्या तिवारी	
5	मन्दसौर	मन्दसौर	गुजरदा	गुजरदा	236	अव्वल खान शहनाज खान शमशाद खान नगिना बी कविता दिनेश कंचन श्यामलाल	शहनाज खान दिन सोमवार

माईक्रो प्लानिंग में प्रस्तावित कार्यः

क्र0	कार्य	गुराड़िया	चापड़ा	रामपुरा कुटी	मवड़ीपुरा	बिलहरी	गुजरदा	कुल
1	खेत तालाब	6	3	4	3	4	1	21
2	पौधा रोपण	1322	936	1890	636	1326	850	6960
3	मड़बंधन	322	126	229	126	190	20	1013
4	कपील धारा कुआ	5	4	3	3	6	4	25
5	सामुदायिक भवन रिपेयर	1	—	1	—	2	—	4
6	सी.सी रोड़ रिपेयर	2	3	1	1	2	1	10
7	खाद्यपर्ची	140	36	38	32	62	24	332
8	मनरेगा के कार्य	222	430	196	322	97	18	1285
9	मनरेगा में कार्य	222	430	196	322	97	56	1323
10	पेंशन सुविधा	16	8	9	10	17	8	68
11	आवास योजना	2	6	7	9	6	2	32
	कुल	**2260**	**1982**	**2574**	**1464**	**1809**	**984**	**11073**

5 पुरानी ग्राम पंचायत में फॉलोअप कार्यः—

क्र0	कार्य	लक्ष्य संख्या	उपलब्धि संख्या

1	कपिल धारा कुआं	05	05
2	पौधा रोपण	2855	3122
3	तालाब निर्माण	07	05
4	तालाब गहीरी करण	08	08
5	रोड़ निर्माण	07	05
6	सामुदायिक भवन निर्माण	03	03
7	खेत तालाब	08	08
8	मेड़ बंधन	1272	1275
9	पशु शेड	08	08
10	शौचालय निर्माण	122	130
	कुल	**4295**	**4569**

ट्रेनिग और प्लानिंग वर्कशापः

MSSN के कार्यालय में 3 ट्रेनिंग और प्लानिंग वर्कशाप आयोजित की गई यह कार्यशाला दो दिवसीय हुई जिसामें वार्षिक कार्ययोजना बनाई गई, त्रेमासीक प्लानिंग और रिपोर्ट पर प्रस्तुति करण प्रतिभागियो द्वारा किया गया।

जागरूकता सामग्रीः

इस वर्ष तेंदूपत्ता सग्राहक, खाद्य सुरक्षा कानून, असंगठित कल्याण मण्डल के लिये जागरूकता सामग्री के अन्तर्गत पम्पलेट बनाये गये। जागरूकता शिविर बैठको में वितरित किये गये एवं वितरण हेतु सूचना केंद्रो पर रखे गये।

गतिविधियो के परिणामः

जागरूता शिविरो में 4235 बहनों को जागरूक किया गया परिणामस्वरूप समुदाय को सामाजिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, से लाभ लेने में आसानी हुई रोजगार के अवसर बढ़े।

असंगठित कल्याण मण्डल में हम श्रमिको का पंजीयन कम करवा पाये एवं पुराने पंजीकृत श्रमिको का कार्ड वितरण नही हुआ क्योकि सरकार ने उस पर रोक लगादी थी, किंतु दुसरे कल्याण मण्डल में 15000 लक्ष्य के सामने हमने 19350 पंजीयन करवाये। एवं 14536 नवीनीकरण करवाये जबकी नवीनी करण का टारगेट 15000 था। क्योकि चुनाव के कारण आचार सहिता लगी थी जिस वजह से सरकारी अधिकारी क्षेत्र में वरीफिकेशन हेतु नही गये।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानुन से 15000 परिवार को लाभ दिलाने का लक्ष्य था हमने 19699 परिवारो को लाभ दिलवाया क्योकि सुचना केंद्र संचालिका एवं ग्राम समिति के सदस्य इस कार्य को अच्छे से करने लगे है।

रोजगार के अवसर एवं आर्थिक विकास हेतू 18500 बहनो को जोड़ने का लक्ष्य था। हमने 21293 जोड़ा क्योकि रोजगार के अवसर के ज्यादा तलाश करके बहनों को जोड़ा गया इस कार्य में सूचना केंद्र संचालिका एवं ग्राम समिति सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

आगेवान मिलन समारोह के आयोजन से ग्राम समिति सदस्य एवं सुचना केंद्र संचालिका बहनों को अपने कार्य को लेकर अनुभव साझा करने को मिले। हमें भी पता चला कि बहनो की कार्य क्षमता में काफी प्रगति हुई है। और उनकी कई कमजोरी कम हुई है। लगातार उनकी बैठको ने उनके कार्यआयोजन बनाने में सहायता की है। आगेवान मिलन समारोह में शासकीय अधिकारीयों ने भी भागीदारी की एवं बहनों से रूबरू बातचीत् की एवं जिससे सूचना केंद्र संचालिका एवं ग्राम समिति के सदस्यो की पहचान स्थापित हुई। जिससे समुदाय की समस्या को हल कराने में सक्षम होंगे।

सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से 18 हजार बहनों को जोड़ने का लक्ष्य था हमने 33886 जोड़ा।

इस बार 5 नई ग्राम पंचायत में माईक्रोप्लानिंग का लक्ष्य था इसको पुर्ण किया किंतु इसमें तैयार प्रस्ताव को हम ग्राम सभा में अनुमोदित नही कर करवा पाये क्योकि आचार सहिता के कारण ग्राम

सभा का आयोजन नही किया गया। इसको अगले वर्ष में ग्राम सभा में प्रस्तावित किया जावेगा। पुरानी 5 ग्राम पंचायत में फालोअप कार्य को पुर्ण किया गया।

प्रोग्राम टिम की रिव्यु बैठको ने वार्षिक /त्रेमासिक कार्यआयोजन में एवं निगरानी करने में सहायता प्रदान करी परिणाम स्वरूप लक्ष्य को हासिल करने में सहायता मिली।

लेसन

1. असंगठित क्षेत्र का शहरी/ग्रामीण कल्याण मण्डल की घोषणा एवं इसमें पंजीयन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई थी किंतू चूनाव के बाद नई सरकार के आने पर हमें पता चला कि इस वेलफेयर बोर्ड का गठन नही हुआ, ना हि इनको चलाने का फंड है। और संस्था ने इसमें 1 लाख श्रमिको का पंजीयन करवाया इसके पंजीयन कार्ड भी बनना शुरू हुवे जिसमें मुख्यमंत्री का फोटो था। चुनाव के बाद नई सरकार आने पर इस कार्य को रोक दिया उनसे चर्चा करने के पश्चात् पता चला की कल्याणकार्य बोर्ड का गठन विधिवत नही हुआ ना हि इसका लीगल नोटीफिकेशन जारी किया था संस्था के माध्यम से जिनका पंजीयन वेलफेयर बोर्ड में हुआ था उनको पंजीयन कार्ड नही मिलने पर उनको मन में संस्था के प्रति अविश्वास हुआ हमको 6 माह की मेहनत के पश्चात् अब यह पंजीयन प्रक्रिया पुनः प्रारम्भ हुई तब समुदाय में संस्था के कार्य को लेकर विश्वास लोटा। ये हमारी गलती है कि हम समझ नही पाये थे कि पिछली सरकार के चूनाव को लेकर यह रणनिति थी इसमें हमें मुश्किल में डाल दिया अतः जब तक कानूनी नोटीफिकेशन ना हो तब तक सरकार के ऐसे किसी कार्यक्रम में सहयोग नही देना चाहिये।
2. संस्था द्वारा सामुदायिक सरचंना जैसे सूचना केंद्र/ग्राम समिति का हमने ग्रेडिंग प्रणाली विकसीत की जिसको लेकर एक प्रश्नावली तैयार की और नियमित तौर पर प्रश्नो के आधार पर ग्रेडिंग करते है इस प्रक्रिया में हमें व्यवहारिक तौर पर सामाजिक संरचंना के नेतृत्व क्षमता का विकास किस स्तर पर करना है इसमें सहायता की एवं इन समितियो की सदस्य बहनों की क्षमता लगातार बढ़ाने से काफी जमीनी स्तर की जिम्मेदारी को निभाना शुरू किया है इसी तरह से हमने द्वितीय पक्ति के कार्यकर्ताओ का चयन किया फिर उनको प्रशिक्षण करने हेतू गाईड लाईन तैयार करी ब्रेनस्ट्रामिग कार्यशाला की। इस गतिविधि ने हमें सकेंड लाईन कार्यकर्ताओ को चयनित करने में एवं उनको तैयार करने में सहायता की है। आने वाले 5 साालो तक हम सेकंड लाईन कार्यकर्ता का शाला प्रशिक्षण एवं प्रेक्टिकल ट्रेनिंग करेगे।

लक्ष्य एवं उपलब्धिः

क्र0	गतिविधि	लक्ष्य	उपलब्धि
1	जागरूता शिविर	50	121
2	कल्याण मण्डल में पंजीयन	15000	14536
3	पंजीयन का नवीनी करण	15000	19350
4	खाद्य सुरक्षा कुपन	5000	6751
5	खाद्य कुपन को आधार से जोड़ना	10000	12946
6	**रोजगार से जोड़ना**		
	मनरेगा	13000	14638
	प्रा. लघुवनोउपज सह. समिति	2500	3120
	परिसम्पत्ति निर्माण	1500	1520
7	मजदुरी बढ़वाना		90500
8	कौशल विकास प्रशिक्षण		647
9	सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से लाभ	18000	27880
10	पंचायत में माईक्रोप्लानिंग	05	05
11	नई पंचायत का गठन	10	10
12	नई पंचायत में निगरानी समिति का गठन	10	10
	कुल	**80075**	**192034**

अन्य बैठक, प्रशिक्षण कार्य शाला में भागीदारीः

क्र	नाम	बैठक /प्रशिक्षण/कार्यशाला	संस्था	स्थान
1	हेमलताव यास	राष्ट्रीय घरलु कामगार प्रशिक्षण	सेवा भारत	दिल्ली
	मीना पाण्डे	,,	,,	,,
	तारा निरज	,,	,,	,,
	जयश्री बेन	,,	,,	,,
2	शिखा जोशी	फण्ड रेजिंग वर्कशाप	स्ट्रीटनेट	डरबन
3	कविता मालवीय	कार्य स्थल पर अत्याचार	आय यु एफ	मुम्बई
	रेखा सुर्वे	,,	,,	,,
4	कविता मालवीय	रिसेंट वर्क	आई एल ओ	दिल्ली
5	कविता मालवीय	चाईल्ड कयर वर्कशाप	आय आय एस टी	दिल्ली

विभिन्न फोरम में भागीदारीः

क्र0	नाम	बैठक	विभाग व संस्थान	स्थान
1	आगेवान बहन	शौर्यदल	महिला बाल विकास	कार्यरत जिला
2	आगेवान बहन	स्वास्थ्य दल	,,	,,
3	आगेवान बहन	सतर्कता समिति	खाद्य विभाग	,,
4	शिखा जोशी	न्यनतम वेतन सलाहकार समिति	श्रम विभाग	इन्दौर
5	शिखा जोशी	समान कार्य समान वेतन पारिश्रमिक	,,	,,
6	शिखा जोशी	फेरी टोकरी अन्तराष्ट्रीय संगठन	स्ट्रीटनेट	साऊथ अफ्रिका
7	शिखा जोशी	खेतिहर अन्राष्ट्रीय संगठन	आय यु एफ	
8	मंजू चौहान	बिमा कॉपरेटिव लिमिटेड	बिमा कॉपरेटिव लिमिटेड	अहमदाबाद
9	शिखा जोशी	श्रम कल्याण सलाहकार समिति	ज्ञम विभाग	दिल्ली
10	शिख जोशी	निर्माण श्रमितक विशेषज्ञय	श्रम विभाग	दिल्ली

केस स्टडी–1

भोपाल जिलों की सुनिता जगदीश कई वर्षो से संस्था से जुड़ी है ये लीडर घरेलु कामगार है। ये भोपाल के कोलार रोड़ पर बलवीर नगर की छोटी आधी कच्ची बस्तियो में रहती है वह कई सदस्य बहनें है जो अलग–अलग व्यवसाय करती है। इनके घरों में पानी के कनेक्शन नगर–निगम के माध्यम से करवाये गये थे। इसकी राशि 3 हजार से 5 हजार रूपये तक ली गई थी। और कहाँ गय था पानी का बिल आयेगा कुछ दिनों पश्चात् नल बिल 1 हजार से लेकर 3 हजार तक आये बस्तियो के सदस्यो ने सुनिता जगदीश लीडर को बताई उन्होने संस्था की टिम को बताया की पार्षद से मिले। परन्तु समाधान नही हुआ। फिर जनसुनवाई में भी इस समस्या को रखा गया परन्तु समाधान नही हुआ फिर भोपाल महापौर की चौपाल में इस समस्या को रखा गया इसमें 100 से भी अधिक सदस्यो ने भाग लिया महापौर ने तुरन्त नगर–निगम कमिश्नर भोपाल से इस बारे में

बात की और बताया नियमानुसार झुग्गी बस्ती में रहने वालों का नल बिल 30रूपये से 60रूपये तक आने का प्रावधान है फिर ऐसा क्यों ये गरीब लोग कहा से भरेगे कुछ दिनों पश्चात् इस समस्या के समाधान हेतू पूनः महापौर से मुलाकात की गई उन्होने कहा यह पुरे भोपाल की झुग्गी बस्ति की समस्या है इसे नगर–निगम की परिषद बैठक में रखा गया है थोड़ा समय लगेगा लगातार फालोप के पश्चात् बलवीर नगर की झुग्गी बस्ति (आधी कच्ची –पक्की) के नलो के बिल 30 रूपये मासिक आना प्रारम्भ हुआ और जो बिल 3 हजार से 5 हजार तक थे वो सब माफ हुवे।

केस स्टडी–2

निर्मला टेटावत जो उज्जैन जिले की अशोक नगर बस्ती में रहती है। इस बस्ती में अनुमानित 300 से भी अधिक सदस्य संख्या के है। इनमें से अधिकांश सदस्यो का पंजीयन असंगठित शहरी/ग्रामीण कल्याण मण्डल में हुआ था। जिसमें इनके घरो के बिजली बिल 200 रूपये माहीना आने का प्रावधान था। जब पंजीयन हुआ इसके पश्चात् सदस्यो के बिल 200 रूपये मालिक भी आना चालु हुआ परन्तु जैसे ही सरकार बदली बिजली बिल 5 हजार से 13 हजार रूपये तक शुरू हुये तब बहुत परेशानी शुरू हुई कुछ सदस्यो के बिजली बिल नही भरने पर बिजली काट दी गई, तब निर्मला बेन ने सदस्यो को स्वयं इक्टठा कर जन सुनवाई में आवेदन बनाकर जन सुनवाई में लेकर गई। परन्तु सम्बन्धित अधिकारी ने स्पष्ट जवाब नही देने पर फिर सदस्यो को लेकर लोक अदालत जो की कलेक्टर कार्यालय में होती है। वहाँ इस समस्या को बताया और सदस्यों के साथ धरने पर बैठ गई तब वह बिजली विभाग के अधिकारी ने आकर बात की और कहा सब के मिटर को बदलना होगा। ये किसी गलती से हो गया और उन्होने ये भी सदस्यो को समझाया की योजना के तहत् 100 युनिट से कम होगी तो ही बिजली बिल 200 रूपये आयेगा ज्यादा युनिट जलाने पर ज्यादा बिल आयेगा दो दिन पश्चात् सदस्यो के नये मिटर लगाये जिनकी बिजली काट दी गई थी उसे वापस जोड़ा एवं सदस्यो से पैसा जमा करवाकर पुनः बिजली बिल 200 रूपये आना शुरू हुआ।